This question paper contains 2 printed pages. **May-June, 2024**

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302401**
Title of the Paper	**:**	**यजुर्वेद, अथर्ववेद एवं प्रातिशाख्य** **Yajurveda, Atharvaveda & Pratisakhya**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit, LOCF**
Type	**:**	**EC**
Group	**:**	**A**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिये। **9 x 2 = 18**
   Explain any **two** of the following Mantras.

   i. वसोः पवित्रमसि शतधारं वसोः पवित्रमसि सहस्रधारम्।
   देवस्त्वा सविता पुनातु वसोः पवित्रेण शतधारेण सुप्वा कामधुक्षः ॥

   अथवा/OR

   अग्ने व्रतपते व्रतं चरिष्यामि तच्छकेयं तन्मे राध्यताम्। इदमहमनृतात् सत्यमुपैमि॥

   ii. अदित्यै व्युन्दनमसि विष्णो स्तुपोऽस्यूर्ण्म्रदसन्त्वा स्तृणामि स्वासस्थां देवेभ्यो भुवपतये स्वाहा भूतानां पतये स्वाहा॥

   अथवा/OR

   संवर्चसा पयसा सन्तनूभिरगन्महि मनसा सं शिवेन ।
   त्वष्टा सुदत्रो विदधातु रायोऽनुमार्ष्टु तन्वो यद्विलष्टम् ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए जिनमें से एक **संस्कृत** में हो । **9 + 7 = 16**
   Explain any **two** of the following Mantras out of which **one** must be in **Sanskrit**.

   i. सत्यं बृहदृतमुग्रं दीक्षा तपो ब्रह्म यज्ञः पृथिवीं धारयन्ति ।
   स नो भूतस्य भव्यस्य पत्न्युरुं लोकं पृथिवी नः कृणोतु॥

ii. इन्द्रो ह चक्रे त्वा बाहावसुरेभ्यस्तरीतवे।
पादामिन्द्रो व्याश्नादसुरेभ्य स्तरीतवे ॥

iii. यस्याः पुरो देवकृताः क्षेत्रे यस्या विकुर्वते।
प्रजापतिः पृथिवीं विश्वगर्भामाशांमाशां रण्यां नः कृणोतु ॥

iv. कालः प्रजा असृजत कालो अग्रे प्रजापतिम्।
स्वयंभूः कश्यपः कालात्तपः कालादजायत ॥

3. अथर्ववेद के विजय सूक्त की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए। **07**
Throw light on the subject matter of विजय सूक्त of Athrvaveda.

अथवा/OR

अथर्ववेद के राष्ट्राविभर्धन पर समालोचनात्मक निबन्ध लिखिए।
Write a critical essay on राष्ट्राविभर्धन of Atharvaveda.

4. दर्शपौर्णमासयाग में वर्णित यज्ञिय पात्रों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। **07**
Throw light on the uses of यज्ञियपात्र of Darsapūrnamāsayāga.

अथवा/OR

दर्शपौर्णमासयाग की याज्ञिक प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
Describe the Yajna process of Darsapūrnamāsayāga.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **छह** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। **6 x 2 = 12**
Explain and illustrate any **six** of the following sutras.

(क) लैकिकानामर्थपूर्वकत्वात्।
(ख) नानुस्वारयमविसर्जनीयजिह्वामूलीयोपध्मानीयाः।
(ग) भूतिराद्युदात्तम्।
(घ) अकण्ठ्यो भावी।
(ङ) धि शेषः।
(च) तथयोः सम्।
(छ) एकारेकारोकारा द्विवचनान्ताः।
(ज) भाव्युपधः षकारम्।
(झ) मन्ये पदपूर्वं सर्वत्र।
(ञ) अनुनासिकवत्यनुनासिकम्।
(ट) रेफे लुप्यते दीर्घं चोपधा।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए। **5 x 2 = 10**
Define and illustrate any **five** of the following.
जित्, प्रगृह्य, जात्य, प्रश्लिष्ट, मुत्, आम्रेडित, अभिघात, तैरोव्यञ्जनस्वरित